खरीदारी कर लौट रहे दंपती को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, पत्नी की मौत

▶ रेडीमेड कॉम्प्लेक्स के पास हुआ हादसा, पति गंभीर रूप से घायल

इंदौर. हीरानगर थाना क्षेत्र में एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. शादी की रस्मों और खरीदारी के उत्साह में घर से निकले एक दंपति को अज्ञात वाहन ने अपनी चपेट में ले लिया. इस हादसे में पत्नी ने जहां दम तोड़ दिया, वहीं पति जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है. हीरा नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है.

मृतका की पहचान रेखा पति राजेश (45), निवासी सुखलिया के रूप में हुई है. परिजनों ने बताया कि रेखा की सहेली के परिवार में शादी थी, जिसकी खरीदारी करने के लिए रेखा अपने पति राजेश पिता बसंतीलाल के साथ एक्टिवा पर सवार होकर निकली थी. बीती शाम जब वे खरीदारी पूरी कर वापस अपने घर सुखलिया लौट रहे थे, तभी रेडीमेड कॉम्प्लेक्स के पास यह दुर्घटना घटित हुई. दंपति जब रेडीमेड कॉम्प्लेक्स के पास से गुजर रहे थे, तभी पीछे से आए एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी एक्टिवा को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि रेखा और राजेश सड़क पर दूर जा गिरे. सिर में गंभीर चोट लगने के कारण रेखा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राजेश गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे के तुरंत बाद अज्ञात वाहन चालक अपने वाहन सहित मौके से फरार हो गया. आसपास के लोगों ने मदद के लिए दौड़ लगाई और घायल राजेश को तत्काल अस्पताल पहुँचाया. पुलिस ने मौके पर पहुँचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है.

अगरबत्ती कारखाने में लगी आग, लाखों का नुकसान

▶ ढाई घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू

इंदौर. हम्माल कॉलोनी क्षेत्र में सोमवार सुबह एक अगरबत्ती कारखाने और गोदाम में आग लग गई. सुबह करीब 5 बजे लगी आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया, जिसे दमकल ने करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद काबू में किया. हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है.

फायर ब्रिगेड को सुबह करीब 5 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद तीन दमकल वाहन मौके पर पहुंचे. तब तक आग टीन शेड तक फैल चुकी थी और ऊंची लपटें व घना धुआं दूर तक दिखाई दे रहा था. धुएं के कारण आसपास के रहवासी इलाकों में अफरा तफरी मच गई और लोग घरों से बाहर निकल आए. दमकल टीम ने करीब 75 हजार लीटर पानी का उपयोग कर आग पर काबू पाया. आग में कारखाने में रखा कच्चा माल, तैयार अगरबत्ती, मशीनें, केमिकल और फ्यूम पूरी तरह जल गए. टीन शेड में रखा स्टॉक भी नष्ट हो गया. कारखाने का संचालन मेहुल जैन द्वारा किया जा रहा था, जबकि भवन मालिक आकाश गुर्जर बताए हैं. आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है. फायर अधिकारियों का कहना है कि समय रहते आग पर काबू पा लिया जिससे कोई जनहानि नहीं हुई है. मामले में जांच की जा रही है.

शराब दुकान के सामने चाकूबाजी

इंदौर. तिलक नगर थाना क्षेत्र के स्कीम नंबर 140 में स्थित एक वाइन शॉप के बाहर चाकूबाजी की घटना से हड़कंप मच गया. झ पुलिस के अनुसार, पीड़ित अनिल कनाडे, जो कि चौहान नगर का निवासी है, स्कीम नंबर 140 स्थित वाइन शॉप के पास मौजूद था. इसी दौरान वहां आरोपी राहुल रनसुरे के साथ किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया. विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी राहुल ने आपा खो दिया.विवाद के बीच राहुल रनसुरे ने अपने पास रखे चाकू से अनिल कनाडे पर अचानक हमला कर दिया. आरोपी ने अनिल के गाल और दाहिने हाथ पर चाकू से वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. हमले के बाद आरोपी वहां से भाग निकला.

डेढ़ करोड़ के प्लॉट पर कब्जे की साजिश का पुलिस ने किया खुलासा

▶ फर्जी दस्तावेज से ऑटो चालक बना मालिक

नव भारत न्यूज

इंदौर. द्वारकापुरी क्षेत्र में करीब डेढ़ करोड़ रुपए के भूखंड पर कब्जा करने की सुनियोजित साजिश का पुलिस ने खुलासा किया है. फर्जी दस्तावेज तैयार कर ऑटो चालक को प्लॉट का मालिक दिखाया और असली मालिक से लाखों रुपए की मांग की गई. मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मुख्य आरोपी की तलाश शुरू कर दी है.

ऋषि नगर निवासी सौरभ राठौर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके भूखंड पर पिछले 25 वर्षों से बने मकानों से उन्हें किराया मिल रहा था. हाल ही में उन्होंने निर्माण कार्य शुरू कराया, तभी राजेंद्र राठौर नाम का व्यक्ति फर्जी दस्तावेज लेकर पहुंचा और खुद को मालिक बताने लगा. जांच में सामने आया कि राजेंद्र ने प्रेम प्रजापत, तब्बू उर्फ तबरेज और शहनवाज बी के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार कराए थे. इन दस्तावेजों के आधार पर निर्माण कार्य रुकवाया और सौरभ से लाखों रुपए की मांग की गई. आरोपियों ने झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दी. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजेंद्र राठौर और प्रेम प्रजापत को गिरफ्तार कर लिया. प्रेम खुद को वकील बताता था, जबकि वह केवल 10वीं पास है और वकीलों की वेशभूषा में लोगों से मिलता था. राजेंद्र ई रिक्शा चालक है, जिसे फर्जी तरीके से प्लॉट का मालिक बनाया. पुलिस जांच में बड़ा खुलासा तब हुआ जब पुलिस शहनवाज बी तक पहुंची. वह दृष्टिहीन महिला है, जिसके बेटे के अनुसार तबरेज नामक युवक ने 20 हजार रुपए देकर कागजों पर हस्ताक्षर और अंगूठा लगवा लिया था. महिला को इस बात की जानकारी नहीं थी कि उसके नाम से दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं. पुलिस ने उसे सरकारी गवाह बनाया है.

मुख्य आरोपी की तलाश जारी

पूछताछ में सामने आया कि तबरेज ही गिरोह को फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराता था. वह फिलहाल फरार है और अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट में लगाई गई उसकी याचिका भी खारिज हो चुकी है. उसके साले नौशाद सहित अन्य संदिग्धों की भूमिका भी जांच में सामने आई है. मामले में थाना प्रभारी मनीष मिश्रा का कहना है कि धोखाधड़ी का केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है, मुख्य आरोपी की तलाश जारी है. जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी.

हत्या कर दहशत फैलाने वाले दो आरोपी पुलिस गिरफ्त में, 6 आरोपी नामजद

▶ बेटे के सामने हुई हत्या के बाद मचा बवाल-गौरी नगर चौराहे पर किया चक्काजाम

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरानगर क्षेत्र में पिता के सामने उसके 8 साल के बेटे की हत्या के बाद सोमवार को परिजनों और स्थानीय लोगों ने गौरी नगर चौराहे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया. प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों की गिरफ्तारी, नशे के कारोबार पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग की. पुलिस ने अब तक कुछ आरोपियों को हिरासत में लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है.

जानकारी के अनुसार रविवार शाम जाम नगर में सुरेन्द्र साहू पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई थी. घटना के दौरान उसका बेटा भी मौके पर मौजूद था. प्रारंभिक जांच में विवेक सहित अन्य साथियों के नाम सामने आए हैं. पुलिस के मुताबिक वारदात में 6 आरोपी शामिल हैं, जिनमें 3 बालिग और 3 नाबालिग हैं. देर रात तक कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक से अधिक आरोपियों को हिरासत में लिया है. घटना के बाद सोमवार को पोस्टमार्टम के पश्चात परिजन और रहवासी आक्रोशित हो गए और गौरी नगर चौराहे पर शव रखकर चक्काजाम शुरू कर दिया. लोगों का आरोप था कि क्षेत्र में नशे का कारोबार बढ़ रहा है, जिससे अपराध भी बढ़ रहे हैं. उन्होंने ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की. विवाद की शुरुआत मामूली बात से हुई थी. बताया गया कि चौराहे पर खड़े युवकों ने सुरेन्द्र से बाइक का स्टैंड ठीक करने को कहा, जिस पर कहासुनी हो गई. विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया और अपने साथियों को बुलाकर वारदात को अंजाम दिया. मौके पर पहुंचीं एसीपी रूबीना मिजवानी ने प्रदर्शनकारियों को समझाइश देकर शांत कराया और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद चक्काजाम समाप्त हुआ. पुलिस को घटनास्थल से कुछ सीसीटीवी फुटेज भी मिले हैं, जिनके आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है. मामले में थाना प्रभारी सुशील पटेल का कहना है कि प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है, जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

एक नजर में

जानापाव में परशुराम जन्मोत्सव पर किया पूजन

महू. भगवान परशुराम जन्मभूमी सेवा संगठन द्वारा सुबह पुण्यकाल में जानापाव पहुंचकर भगवान परशुराम द्वह्न जन्मभूमी पर निर्मित मंदिर में पूजन अभिषेक कर सर्वकल्याण कि कामना कर परशुराम जन्मोत्सव मनाया. संगठन अध्यक्ष एडवोकेट संजय शर्मा मामा, ललित शर्मा, दिनेश काड़े, वेदांत शर्मा मामा, विनायक शर्मा अतुल व क्षेत्रीय भक्तगण उपस्थित थे. सुबह से ही जानापाव मे भक्तो आना प्रारंभ हो गया व अन्य प्रदेशो से भी भक्तगण जानापाव आ रहे है दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ.

सोमवंशी महार समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन

महू. अक्षय तृतीया (आखातीज) के पावन पर्व पर सोमवंशी महार समाज महू द्वारा आयोजित 36वां निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन सोमवार को शहर के बलराम बगीचे में संपन्न हुआ. समाज द्वारा पिछले 36 वर्षों से निरंतर इस परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है. इस वर्ष आयोजित सम्मेलन में 4 जोड़े विवाह बंधन में बंधे. कार्यक्रम में भोपाल, रतलाम, जावरा, इंदौर, इटारसी, खंडवा सहित प्रदेशभर से समाजजन बड़ी संख्या में शामिल हुए. यह आयोजन श्री सोमवंशी महार समाज केंद्रीय समिति एवं श्री सामूहिक विवाह समिति महू के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ. विवाह संपन्न कराने में केंद्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष साधु राव कामले, उपाध्यक्ष विनोद कामले, नामदेव साजदीवे, शंकर राव सोनोने, राजेंद्र जवलेकर, भारत पवार, आनंद मजदे, प्रहलाद सासदीवे, पूर्व समाज अध्यक्ष प्रेम कामले, महिला मंडल अध्यक्ष संगीता कामले, उपाध्यक्ष दुर्गा कोकरे, पुष्पा कमले, निर्मला कांबले सहित अनेक पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. वहीं, सोमवंशी महार समाज युवा मंच महू के अध्यक्ष मनीष लौंडे, सोनू भाऊ पवार, अनिल भोजने, संदीप लौंडे एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम की व्यवस्थाएं संभालते हुए आयोजन को सफल बनाया.

महू में परशुराम जन्मोत्सव पर निकला चल समारोह

महू. रविवार शाम भगवान परशुराम प्रकट उत्सव के उपलक्ष्य में ब्राह्मण समाज ने विशाल चल समारोह निकाला. चना गोदाम स्थित ब्राह्मण समाज की धर्मशाला से प्रारंभ हुई इस शोभायात्रा में समाज के हजारों नागरिकों ने उत्साहपूर्वक शिरकत की. शोभायात्रा चना गोदाम से शुरू होकर सांघी स्ट्रीट, कोतवाली चौक, मेन स्ट्रीट, माणक चौक और छोटा बाजार जैसे नगर के व्यस्त क्षेत्रों से होकर गुजरी. यात्रा का समापन पुनः समाज की धर्मशाला पर हुआ। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम के जयकारे लगाए, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा. चल समारोह में भगवान परशुराम की प्रतिमा और सुसज्जित रथ मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे. इस दौरान महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में नजर आईं, वहीं पुरुष हाथों में भगवान का प्रतीक फरसा लेकर जयघोष करते हुए चल रहे थे. भजनों की धुन पर समाजजनों ने नृत्य कर उत्सव की खुशियां साझा कीं.

हेलीपेड से पहले नेट्रेक्स में रेस्क्यू ऑपरेशन कर 29 नीलगाय पकड़ी

नव भारत न्यूज

इंदौर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जानापाव दौरे के मद्देनजर हेलीकॉप्टर की लैंडिंग के लिए हेलीपेड निर्माण से पहले नेट्रेक्स परिसर में वन विभाग ने विशेष रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर 29 नीलगायों को पकड़ा है. ऑपरेशन चार दिन तक चला और इसे गोपनीय तरीके से अंजाम दिया था.

नेशनल ऑटोमोटिव टेस्ट ट्रैक्स (नेट्रेक्स) क्षेत्र में 13 अप्रैल से वन विभाग की स्पेशल टीम ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया था. मुख्यमंत्री के प्रस्तावित हवाई दौरे और हेलीपेड निर्माण के चलते परिसर में नीलगायों की मौजूदगी को देखते हुए यह कार्रवाई की गई. चार दिन तक चले अभियान में 29 नीलगायों को सुरक्षित पकड़ा है. नेट्रेक्स परिसर में हाई स्पीड व्हीकल टेस्टिंग होती है, ऐसे में जंगली जानवरों की मौजूदगी वाहन चालकों और टेस्टिंग प्रक्रिया दोनों के लिए खतरा बनती है. इसी वजह से यहां हर साल भी नीलगायों को पकड़ने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जाता है. हालांकि इस बार अभियान को विशेष रूप से मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए तेज किया है. पकड़ी गई नीलगायों को कहां छोड़ा गया, इस संबंध में अधिकारियों ने स्पष्ट जानकारी देने से इनकार कर दिया. उल्लेखनीय है कि पीथमपुर के पास स्थित नेट्रेक्स एशिया के सबसे लंबे और दुनिया के प्रमुख हाई-स्पीड टेस्टिंग ट्रैक्स में शामिल है, जहां सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के अभियान नियमित रूप से चलाए जाते हैं.

पत्नी के प्रेम संबंध से दु :खी पेंटर फांसी पर झूला

इंदौर. लसूडिया क्षेत्र में 36 वर्षीय युवक ने रविवार को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. घटना का खुलासा तब हुआ जब उसकी बेटी ने उसे फंदे पर लटका देखा. सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

मृतक की पहचान कृष्णा भालेराव निवासी बापू गांधी नगर के रूप में हुई है. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. परिजनों ने पुलिस को बताया कि मृतक अपनी पत्नी के साथ चल रहे विवाद को लेकर मानसिक तनाव में था. बताया गया कि पत्नी रीना की खरगोन निवासी एक युवक से दोस्ती थी, जिसे लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद हो रहा था. आरोप है कि संबंधित युवक कृष्णा के मोबाइल पर फोटो और मैसेज भेजता था, जिससे घर में तनाव बना रहता था. 16 अप्रैल को भी इसी बात को लेकर पति पत्नी के बीच विवाद हुआ था, जिसमें पत्नी ने मोबाइल से फोटो और मैसेज डिलीट कर दिए थे. परिजनों ने यह भी बताया कि कुछ समय पहले खरगोन में विवाद के दौरान कृष्णा के साथ मारपीट हुई थी और उस पर मामला भी दर्ज कराया था. थाना प्रभारी का कहना है कि कृष्णा और उसकी पत्नी की शादी करीब 15 साल पहले हुई थी. परिवार में एक बेटा और एक बेटी है. वह पेंटिंग का काम करता था. पुलिस मामले में मर्ग दर्ज कर सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. कारणों का खुलासा जांच के बाद होगा.

स्कूल वैन ड्राइवर ने फांसी लगाकर दी जान

इंदौर. पलासिया थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है. बड़ी ग्वाल टोली में रहने वाले स्कूल वैन चालक ने अज्ञात कारणों के चलते अपने घर में फांसी का फंदा लगा लिया. सूचना मिलने पर पहुँची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. मृतक का नाम रवि पिता नानूराम (56), निवासी बड़ी ग्वाल टोली पलासिया है. बताया जा रहा है कि रवि पेशे से स्कूल वैन ड्राइवर था. वह शराब पीने का आदी था. आशंका जताई जा रही है कि शराब की लत और उससे जुड़ी समस्याओं के कारण वह काफी समय से मानसिक तनाव में चल रहा था .आत्महत्या जैसा खौफनाक कदम रवि ने किन परिस्थितियों में उठाया, यह अभी भी स्पष्ट नहीं हो सका है. पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. आसपास के लोगों और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं ताकि यह पता चल सके कि क्या कोई पारिवारिक कलह या अन्य कोई कारण इस घटना के पीछे था.

पीएम रिपोर्ट से खुला राज : दो दुर्घटना के मामले निकले हत्या के, आरोपी गिरफ्तार

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में हाल ही में सामने आए दो संदिग्ध मामलों में पोस्टमार्टम (पीएम) रिपोर्ट ने बड़ा खुलासा किया है. दोनों ही मामलों में मौत को दुर्घटना बताने की कोशिश की गई, लेकिन पीएम रिपोर्ट के बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.

शहर में पिछले दिनों दो ऐसे केस सामने आए, जिनमें शुरुआती जांच दुर्घटना मानकर की जा रही थी. पहला मामला केट रोड का है, जहां सड़क किनारे एक युवक का शव मिला था. शरीर पर चोट के निशान होने से मामला एक्सीडेंट का लग रहा था. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जहां रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि युवक की मौत गले में गोली लगने से हुई है. मृतक की पहचान नवीन पाटीदार के रूप में हुई, जो उज्जैन का हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है. इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच तेज की और दो शूटरों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि मुख्य आरोपी राहुल अब भी फरार है. वहीं दूसरा मामला परदेशीपुरा थाना क्षेत्र का है. यहां एक युवक अपनी बहन को घायल हालत में अस्पताल लेकर पहुंचा और बताया कि उसके पेट में सरिया घुस गया है. इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई. पीएम रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि घाव सरिए से नहीं बल्कि धारदार हथियार से किए हैं. इसके बाद पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर भाई से सख्ती से पूछताछ की, जिसमें उसने जुर्म कबूल कर लिया. आरोपी ने बताया कि बहन के फोन पर किसी से बात करने को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने गुस्से में आकर गुस्ती से वार कर दिया. पुलिस ने आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया है. लगातार सामने आए इन दो मामलों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि गंभीर अपराधों की सच्चाई उजागर करने में पीएम रिपोर्ट की भूमिका कितनी अहम होती है.

चाकूबाजों को पुलिस ने सड़क पर सिखाया सबक

▶ सार्वजनिक माफी मंगवाकर आरोपियों को करवाया पछतावा

इंदौर. चंदन नगर थाना क्षेत्र में बारात के दौरान चाकू से प्राणघातक हमला करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने महज कुछही घंटों में धरदबोचा. पुलिस की इस कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की और पुलिस का ताली बजाकर अभिवादन किया.

रविवार को फरियादी कृष्णा पिता पप्पू मेहता निवासी डायमंड पैलेस ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि एक दोस्त की बारात के जुलूस में नाचने की बात को लेकर विवाद हुआ था. इस दौरान आरोपी हर्ष सोलंकी और शिवा यादव ने चाकू से उन पर हमला कर दिया.मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी तिलक करोले ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी सहायता और मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों हर्ष सोलंकी पिता बद्रीलाल सोलंकी निवासी गीता नगर और शिवा यादव पिता राजेश यादव निवासी जगदीशपुरी, धार रोड को गिरफ्तार कर लिया और घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है.

घटनास्थल पर आरोपियों से मंगवाई माफी: पुलिस टीम आरोपियों को उसी घटनास्थल पर ले गई जहाँ उन्होंने वारदात को अंजाम दिया था. वहाँ मौजूद आम जनता के सामने दोनों आरोपियों ने कान पकड़कर माफी मांगी.

एक नजर में

आमदनी पर पड़ रहा असर, चालान कटने से भी हो रहा नुकसान

झोन बांटने से ई-रिक्शा चालकों को कम मिल रही सवारी

इंदौर. एक बार फिर यातायात विभाग में प्रयोग करते हुए ई-रिक्शा यातायात को कंट्रोल करने के लिए कुछ नियम बनाएं लेकिन यह प्रयोग ई-रिक्शा चालकों के रोजगार को प्रभाव कर रहा है. साथ ही इस प्रयोग के चलते चालान की आड़ में खूब कमाई की जा रही है.

शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने के नाम पर ई-रिक्शा संचालन को लेकर किए जा रहे प्रयोग अब चालकों के रोजगार पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं. करीब एक साल पहले शुरू किए गए ई-रिक्शा को प्रशासन की अनुमति के बाद बड़ी संख्या में सड़कों पर उतार दिया गया था. देखते ही देखते शहर की प्रमुख सड़कों और चौराहों पर ई-रिक्शा का जमावड़ा लगने लगा जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई. स्थिति संभालने के लिए यातायात विभाग ने ई-रिक्शा पर प्रतिबंध लगाने के बजाय उन्हें झोन-वार बांट दिया. तय किया गया कि चालक अपने निर्धारित झोन क्षेत्र में ही वाहन संचालित करेंगे. इस व्यवस्था से कुछ हद तक मुख्य मार्गों पर दबाव कम हुआ लेकिन अब इसका असर चालकों की आमदनी पर पड़ रहा है. देखने में आया है कि सीमित क्षेत्र में संचालन के कारण सवारियां कम मिल रही हैं जिससे उनकी रोजाना की कमाई आधी रह गई है. वहीं चालान कार्रवाई की आड़ में वसूली के आरोप भी सामने आ रहे हैं जिससे असंतोष बढ़ रहा है.

इनका कहना है

झोन बांटने से नुकसान ई-रिक्शा चालकों का हुआ है. जहां पहले पांच सात सौ कमा लेते थे अब चार सौ? कमाना भी बहुत मुश्किल हो चला है.
– पूरन रघुवंशी, चालक

स्वतंत्र रूप से गाड़ी चलाने पर अच्छा भाड़ा मिलता है. सवारी को दूसरे झोन क्षेत्र में नहीं ले जा सकते जोन के अंदर पांच-दस हीक्सवारी मिलती है.
– कमल पगारे, चालक

ई-रिक्शा का भाड़ा कम है. लोग उसे पसंद करते हैं जिसे राजवाड़ा से विजयनगर जाना है, तो पैसेंजर कहां-कहां गाड़ी बदलेगाय तो वहां फ्री जोन परमिट की गाड़ी पकड़ेगा.
– मकसूद खान शहरी